तेरे दर्शन की ललक | by Suraj Verma

तेरे दर्शन की ललक सांवरे लगाईं है
अब तो आजा जान पे मेरी बन आई है

मेरे गिरधर तेरा सहारा है
रोती आँखों से पुकारा है
मेरे दिल की तड़प को जानो तुम
शरणागत हूँ मैं बात मानो तुम
मेरे कान्हा ये प्यार की ससिवाई है
अब तो आजा जान पे मेरी बन आई है
तेरे दर्शन की ललक.....

मैंने आसन तेरा बनाया है
इत्र फूलों से घर सजाया है
दास निर्धन हुकुम ये है तेरा
बिन तेरे कौन सांवरे मेरा
देदो दर्शन की तेरे नाम की दुहाई है
अब तो आजा जान पे मेरी बन आई है
तेरे दर्शन की ललक.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b2%e0%a4%b2%e0%a4%95-by-suraj-verma/